(क) कपास अथवा रूई (कॉटन):

कपास के पौधे के बीजों की सतह पर पाए जाने वाले रेशों से वस्त्रोपयोगी तन्तु प्राप्त किए जाते हैं। इन तन्तुओं को ही कपास के तन्तु कहा जाता है। इन तन्तुओं से सूती वस्त्रों (जैसे-खद्दर, हथकरघा वस्त्र व मिल-निर्मित वस्त्र आदि) का निर्माण किया जाता है। कपास के तन्तु की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं

1. एक पाउण्ड कपास में लगभग 9,00,00,000 (नौ करोड़) तन्तु होते हैं।
2. कपास के तन्तु आधार पर चौड़े तथा नुकीले सिरों के होते हैं।
3. प्रत्येक तन्तु में लगभग 90% सेल्यूलोस, 2-3% प्रोटीन, 0.6% जल व 0.3% शर्करा होती है।
4. ये अत्यधिक मजबूत व टिकाऊ होते हैं।
5. ये अत्यधिक ताप सह सकते हैं।
6. इनमें जल सोखने की क्षमता होती है। अत:

Scanned with CamScanner